भारत सरकार

कारपोरेट कार्य मंत्रालय

लोकसभा

अतारांकित प्रश्न संख्या. 1195

(सोमवार, 08 दिसंबर, 2025/17 अग्रहायण, 1947 (शक) को उत्तर के लिए)

एनएफआरए द्वारा शुरू किए गए आउटरीच कार्यक्रम

1195. श्री हँसमुखभाई सोमाभाई पटेल:
श्री मितेश पटेल बकाभाई:
श्रीमती डी.के. अरुणा:

क्या **कारपोरेट कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (एनएफआरए) द्वारा शुरू किए गए जनसंपर्क/आउटरीच कार्यक्रमों की श्रृंखला के उद्देश्यों और प्रमुख विषयों का ब्यौरा क्या है;

(ख) इन आउटरीच कार्यक्रमों के स्थानों और कार्यक्रम का ब्यौरा क्या है और अब तक कितने प्रतिभागी और हितधारक इसमें शामिल हुए हैं;

(ग) चुनौतियों का आकलन करने और लेखापरीक्षकों से फीडबैक एकत्र करने के लिए जनसंपर्क गतिविधियों के साथ-साथ एनएफआरए द्वारा शुरू किए गए "ऑडिट फर्म सर्वेक्षण 2025" के उद्देश्यों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) देश भर में लेखों की लेखापरीक्षा की गुणवत्ता और पेशेवर मानक को मजबूत करने के लिए एनएफआरए द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर

कारपोरेट कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री और सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय में राज्य मंत्री।

(श्री हर्ष मल्होत्रा)

(क): देश भर में आउटरीच कार्यक्रमों के माध्यम से राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (एनएफआरए) की पहल का उद्देश्य लेखा परीक्षा गुणवत्ता में वृद्धि करना और सभी आकार की ऑडिट फर्मों, विशेष रूप से छोटी और मध्यम आकार की ऑडिट फर्मों के लिए स्थायी ऑडिट कार्यप्रणालियों को बढ़ावा देना है। आउटरीच कार्यक्रम की श्रृंखला का शीर्षक "एक बेहतर वित्तीय रिपोर्टिंग विश्व का निर्माण" है और इसे देश भर में विभिन्न स्थानों पर आयोजित किया जा रहा है।

(ख): आउटरीच कार्यक्रम निम्नानुसार आयोजित की गईं:

(i) दिनांक 26.09.2025 को हैदराबाद में। इसमें 65 पेशेवरों ने भाग लिया, जिसमें 27 ऑडिट फर्मों के प्रतिनिधि शामिल हैं।

(ii) दिनांक 06.10.2025 को इंदौर में। इसमें 13 ऑडिट फर्मों के प्रतिनिधियों सहित 42 पेशेवरों ने भाग लिया।

(ग): एनएफआरए ने ऑडिट गुणवत्ता से संबंधित मुद्दों का समाधान करने और सभी ऑडिट पेशेवरों को प्रभावी ढंग से सहायता करने की अपनी भूमिका के उद्देश्य से आउटरीच कार्यकलापों के साथ-साथ अपना पहला "ऑडिट फर्म सर्वे 2025" शुरू किया। एकत्र की गई अंतर्दृष्टि एनएफआरए को अपनी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को आगे बढ़ाने और सभी ऑडिट फर्मों और ऑडिट पेशेवरों के साथ रचनात्मक बातचीत को समर्थ करने में सक्षम बनाएगी।

(घ): एनएफआरए ने अपने अधिदेश को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित मुख्य कदम उठाए हैं।

(i) मानक सेटिंग कार्य:

(क) लेखा परीक्षा मानक

एनएफआरए द्वारा समूह लेखा परीक्षा पर संशोधित मानक और गुणवत्ता प्रबंधन पर मानकों सहित लेखा परीक्षा पर 40 संशोधित उच्च गुणवत्ता मानकों के एक सेट की सिफारिश की गई है

(ख) लेखांकन मानक

भारतीय लेखांकन मानकों में कुल 47 संशोधनों/परिवर्तनों की सिफारिश की गई है, जिनमें से 44 को अधिसूचित किया जा चुका है। छोटी और मध्यम कंपनियों के लिए 27 लेखांकन मानकों के एक सेट की सिफारिश की गई है जिसे कारपोरेट कार्य मंत्रालय द्वारा अधिसूचित किया गया है।

(ii) प्रवर्तन कार्य:

एनएफआरए ने पेशेवर कदाचार के लिए अनुशासनात्मक कार्रवाई की है, जिससे लेखा परीक्षा पेशे को कानून और लेखा और लेखा परीक्षा मानकों में उनकी जिम्मेदारी के बारे में संवेदनशील बनाया गया है। एनएफआरए ने वेबिनार भी आयोजित किए हैं और अपने अनुभव और निष्कर्षों का प्रसार करने के लिए हितधारकों के साथ लगातार जुड़ रहा है।

(iii) ऑडिट गुणवत्ता निरीक्षण:

दिसंबर 2022 में, एनएफआरए ने ऑडिट फर्मों के ऑडिट गुणवत्ता निरीक्षण की शुरुआत की, जिसमें फर्म-व्यापी निरीक्षण और जनहित संस्थाओं के ऑडिट के संबंध में ऑडिट फर्मों द्वारा किए गए व्यक्तिगत ऑडिट कार्यों का निरीक्षण दोनों शामिल हैं। एनएफआरए की वेबसाइट पर अब तक 12 ऑडिट गुणवत्ता निरीक्षण रिपोर्ट प्रकाशित की जा चुकी हैं।

(iv) एनएफआरए परिपत्र:

एनएफआरए ने इस तरह के गैर-अनुपालनों की पुनरावृत्ति को रोकने और भारत में वित्तीय रिपोर्टिंग की गुणवत्ता में प्रणालीगत सुधार लाने के उद्देश्य से विभिन्न हितधारकों को सलाह देने और मार्गदर्शन देने के लिए कानून और मानकों में प्रावधानों को दोहराते हुए परिपत्र जारी किए हैं।

(v) लेखा परीक्षक-लेखा परीक्षा समिति की बातचीत पर एनएफआरए श्रृंखला:

लेखा परीक्षक-लेखा परीक्षा समिति के साथ बातचीत की एक श्रृंखला शुरू की गई है क्योंकि बेहतर लेखा परीक्षा गुणवत्ता सुनिश्चित करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है।

(vi) एनएफआरए ने इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कारपोरेट अफेयर्स (आईआईसीए) के साथ सहयोग किया है और स्वतंत्र निदेशकों और कंपनियों के ऑडिट समिति के सदस्यों, जिनके पास कानून में ऑडिट गुणवत्ता के लिए महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां हैं, के क्षमता निर्माण के लिए 4 महीने का पाठ्यक्रम शुरू किया गया है।

(vii) एनएफआरए ने अपनी वेबसाइट पर 'ऑडिट प्रैक्टिस टूलकिट' 04 नवंबर 2025 को जारी किए हैं, जिसमें ऑडिट में लगे छोटे और मध्यम पेशेवरों की सहायता करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

(viii) अपनी 2025-26 पहल "एक बेहतर वित्तीय रिपोर्टिंग पारिस्थितिकी तंत्र बनाना" के हिस्से के रूप में वेबिनार श्रृंखला शुरू करने की घोषणा की। “परिसंपत्तियों की क्षति- भारतीय लेखांकन मानक 36” पर इस श्रृंखला कापहला वेबिनार 26.11.2025 को आयोजित किया गया।

******